

BHDE-101/ई.एच.डी.-01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य  
(जुलाई 2021 एवं जनवरी, 2022 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.-01 / बी.एच.डी.ई.-101  
हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम



मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

## हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम-03 सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.-01/बी.एच.डी.ई.-101

### प्रिय छात्र/छात्राओ!

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं।

**उद्देश्य :** सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। यह पाठ्यक्रम हिन्दी संरचना पर आधारित है। इसके अध्ययन के उपरांत आप हिन्दी संरचना के विविध को समझ सकेंगे।

**निर्देश :** सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....  
नाम : .....  
पता : .....  
.....  
.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2021 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2022  
जनवरी 2022 सत्र के लिए : 30 अक्टूबर, 2022

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। निबंधात्मक और टिप्पणीपरक प्रश्न। इन प्रश्नों के उत्तर आपको निर्धारित शब्दों में देने हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

### यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

- क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
  - ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
  - ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो अपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
  - घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
  - ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
  4. **विशेष** : अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

**नोट** : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

**सत्रीय कार्य**  
(खंड 1 से 7 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.-1/बी.एच.डी.ई.-101  
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.डी.-1/बी.एच.डी.ई.-101/टी.एम.ए./2021-22  
कुल अंक : 100

**भाग 'क'**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की संदर्भ व्याख्या कीजिए। 10×3=30

- (क) चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूँ, तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीन न हो।
- (ख) जब वह थके-हारे बाहर से आते तो उनकी आहट पर वह रसोई के द्वार पर निकल आती और उनकी सलज्ज आँखें मुस्कुरा उठतीं। गजाधर बाबू को तब हर छोटी बात भी याद आती और वह उदास हो उठते.....अब कितने वर्षों बाद वह अवसर आया था जब वह फिर उसी स्नेह और आदर के मध्य रहने जा रहे थे।
- (ग) अपराधी जैसे दण्ड की प्रतीक्षा करता है, उसी भांति वह विवाह की प्रतीक्षा करती थी, उस विवाह की जिसमें उसके जीवन की सारी अभिलाषाएँ विलीन हो जाएँगी जब मंडप के नीचे बने हुए हवनकुंड में उसकी आशाएँ जलकर भस्म हो जाएँगी।
- (घ) निर्लज्ज! मद्यप!!क्लीव!!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं? (ठहर कर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी। मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतल-मणि नहीं हूँ। मुझमें रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय ऊष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूँगी।
- (ङ) वर्तमान की कौन-सी अज्ञात प्रेरणा हमारे अतीत की किसी भूली हुई कथा को संपूर्ण मार्मिकता के साथ दोहरा जाती है, यह जान लेना सहज होता तो मैं भी आज गाँव के उस मलिन सहमें नन्हे-से विद्यार्थी की सहसा याद आ जाने का कारण बता सकती, जो एक छोटी लहर के समान ही मेरे जीवन-तट को अपनी सारी आर्द्रता से छूकर अनन्त जलराशि में विलीन हो गया है।

**भाग 'ख'**

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 15×4=60

- (क) हिंदी गद्य की विविध विधाओं पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
- (ख) 'उसने कहा था' कहानी की संरचना और शिल्प पर प्रकाश डालिए।
- (ग) 'शरणदाता' कहानी की कथावस्तु का मूल्यांकन कीजिए।
- (घ) हिंदी एकांकी के भेद पर प्रकाश डालिए।
- (ङ) भारतेन्दु युगीन हिंदी नाटक पर प्रकाश डालिए।
- (च) हिंदी उपन्यास के विकास पर चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

5×2=10

- (क) चंद्रगुप्त
- (ख) निर्मला
- (ग) 'पगडंडियों का जमाना' निबंध की संरचना और शिल्प को समझाइए।
- (घ) 'घीसा' रेखाचित्र की अन्तर्वस्तु को समझाइए।
- (ङ) नुक्कड़ नाटक
- (च) यात्रावृत्त